(जुलाई–दिसम्बर 2019 से लागू)

एम०ए०, हिन्दी साहित्य, प्रथम सेमेस्टर

MHL-C114

हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीति काल तक)

पूर्णांक 100 सत्रांत परीक्षा 70 अंक

क्रेडिट–6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन 30 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई–1 इतिहास–दर्शन और साहित्येतिहास, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की आधारभूत सामग्री, हिन्दी साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ, हिन्दी साहित्य के इतिहास में काल विभाजन और नामकरण।

इकाई–2 आदिकाल की परिस्थितियाँ, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ, लौकिक साहित्य, आदि काल के प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

भक्ति आन्दोलन : उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तः प्रादेशिक वैशिष्ट्य।

इकाई–3 संत काव्य के प्रेरणा स्रोत, प्रमुख संत कवि और उनका काव्य, संत काव्य की प्रमुख विशेषताएँ।

सूफी काव्य का वैचारिक आधार, प्रमुख सूफी कवि और उनका काव्य, सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति और लोक जीवन के तत्व।

इकाई–4 राम काव्य परम्परा में गोस्वामी तुलसीदास का स्थान, कृष्ण भक्ति के विभिन्न सम्प्रदाय : कवि और उनका काव्य, कृष्ण भक्ति काव्य के विकास में अष्ट छाप के कवियों का योगदान, सम्प्रदाय निरपेक्ष कृष्ण भक्त कवि, भक्ति काल का भक्तीतर काव्य।

इकाई–5 रीतिकाल की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन कवियों के वर्ग – रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त; रीतिबद्ध काव्यधारा की प्रमुख विशेषताएँ, रीतिसिद्ध काव्य परम्परा और बिहारी, रीति मुक्त काव्यधारा की प्रमुख विशेषताएँ, रीतिकाल के प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

संदर्भ ग्रन्थ :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – राम चन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – राम कुमार वर्मा
3. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (खण्ड–1, 2) – डॉ० गणपति चन्द्र गुप्त
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ० बच्चन सिंह
5. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – डॉ० राम स्वरूप चतुर्वेदी
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सम्पा० डॉ० नगेन्द्र